मं.गा.रा.ग्रा.रो.गा.योजना की सफलता की कहानियॉं

जनपद पंचायत इन्दौर

कपिलधरा से रमेशचंद्र के लिए खेती बनी फायदे का धंधा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत गरीब किसानो को उनके खेतो में सिचाई सुविधा बढ़ाने और गांव के लोगो को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कपिलधारा योजना प्रारंभ की हैं।

ग्राम पंचायत गेहली के ग्राम बड़ियाहाट निवासी 1 हेक्टर जमीन के स्वामी रमेशचंद्र मांगतिया की इच्छा थी कि कही से कोई मदद मिल जाए तो वह अपनी भूमि पर एक कुआ खुदवा ले जिससे ज्यादा उपज प्राप्त कर वह आमदनी बढ़ा सके तथा उसका परिवार बेहतर ढंग से जीवनयापन कर सके। एक दिन पंचायत सचिव ने उसे बताया कि रोजगार गारंटी योजना के तहत सरकार ने छोटे किसानों के खेंतों में सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए कपिलधारा योजना प्रारंभ की हैं। रमेशचंद्र ने भी अपने खेत में कुआ खुदवाने की इच्छा जताई। कुछ ही दिनो में रमेशचंद्र के नाम लगभग एक लाख 52 हजार रूपये लागत का कुआं स्वीकृत हो गया। रमेशचंद्र के खेत में 35 फीट गहरा व 20 फीट गोलाई का कुआं खुद जाने से अब वह न केवल बरसात में ही नहीं बल्कि गर्मी में भी अपने खेतों में फसल उत्पादित कर रहा हैं। पहले सिचाई सुविधा न होने की वजह से केवल वर्षा के सहारे फसल करता था जिस कारण वह बड़ी मुश्किल से अपने परिवार का पालन पोषण करता था। सिचाई की सुविधा हो जाने से अब रमेशचंद्र के खेतो में गेहूॅं, चना, धनिया, प्याज और लहसुन, गिल्की, टमाटर की खेती होने लगी है। इससे उसकी अर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ हो गई हैं। कपिलधारा योजना की बदौलत श्री रमेशचंद्र के लिए अब खेती फायदे का धन्धा साबित हो रही हैं।

कपिलधारा योजना से कृषक भूरा का परिवार हुआ खुश

इन्दौर जिले से 45 कि. मी. दूर स्थित ग्राम पंचायत गेहली के ग्राम बड़ियाहाट का निवासी भूरा पिता इस्माइल का सपना था, कि वो भी अपने खेतों में कुआ खुदवाऐं और गॉव के दूसरे किसानो की तरह सिंचाई कर दो फसलें लें। पर अपनी असिंचित खेती की वजह से वह खरीफ की फसल ही ले पाता था। उसकी आर्थिक स्थिति भी ऐसी नही थी की वह परिवार के गुजर–बसर के अलावा कुआं निर्माण के खर्च का बोझ वहन कर सके।

शासन द्वारा संचालित कपिलधारा योजना ने उसके सपने को साकार कर दिया हैं। उसने इस योजना की जानकारी पंचायत सचिव से प्राप्त की और आवश्यक कागजात पंचायत में जमा कराए। ग्राम पंचायत द्वारा कपिलधारा योजना के तहत भूरा इस्समाइल को कुआ निर्माण के लिए एक लाख 52 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई। इस राशि से उसने 1.00 हैक्टेयर खेत में कुआं निर्माण का कार्य प्रारंभ करवाया। उसने अपने खेत में हो रहें, कुआ निर्माण कार्य में पत्नि के साथ काम भी किया। जिसकी मजदूरी का भुगतान भी पंचायत द्वारा उसके परिवार को किया गया। कुछ ही दिनो में उसके खेत में कुआं तैयार हो गया और उसमें पानी भी पर्याप्त आ गया। पहले कम वर्षा से कृषक श्री भूरा इस्माइल एक ही फसल ले पाते थे। परंतु पिछले दो सालो से वह अपने कुएं से सिंचाई कर खरीफ और रबी के साथ गर्मी में सब्जिया भी लेने लगा। इससे उसकी अर्थिक स्थिति भी काफी सुदृढ़ हो गई है। कपिलधारा योजना की बदौलत श्री भूरा इस्माइल के लिए अब खेती फायदे का धन्धा साबित हो रही हैं और उसका परिवार भी बहुत खुश हैं।

नंदन ने बदली मेरी जिन्दगी

मैं गुलाबसिंह पिता लक्ष्मणसिंह ग्राम पंचायत गारिया जनपद पंचायत इन्दौर का निवासी हूॅं मेरे पास लगभग 1 हैक्टेयर भूमि है जिस पर सिंचाई का प्रयाप्त साधन है। मैं उक्त भूमि पर फलोद्यान लगाना चाहता था। परन्तु अर्थिक समस्या के कारण उक्त कार्य नही हो पा रहा था।

मेरी मुलाकात ग्राम पंचायत सचिव श्री संजय जोशी से हुई जिसने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत नंदन फलोद्यान की जानकारी दी। मैंने तुरंत नंदन फलोद्यान उपयोजना के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन दिया, प्रस्ताव परित करने के पश्चात मेंरे यहा नंदन फलोद्यान उपयोजना के अन्तर्गत पौधे रोपण का कार्य शुरू कर दिया गया। आज मेरे खेत मे अमरूद तथा आवला के 125 लगे हुए हैं। इस प्रकार नंदन फलोद्यान उपयोजना के अन्तर्गत मेरी भूमि पर हरा भरा बगीचा बना हुआ है साथ ही उस दिन का इन्तजार है जब इनसे फल प्राप्त कर विक्रय कर अच्छी आमदनी प्राप्त करूगां।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से बनी राह

ग्राम पंचायत बावल्याखुर्द के अन्तर्गत ग्राम वासियो को आवागमन की बहुत परेशानी थी। आवागमन की आसुविधा के कारण मुख्यमार्ग से ग्राम तक आने के लिए मार्ग न होने से वाहनो से यहा तक पहुचना अत्यंत कठिन था। जिससे उत्पादित वस्तुओ के विक्रय हेतु वाहन ले जाने के लिए अनेक कठिनाईयो का सामना करना पड़ता था बरसात में तो पेदल मुख्यमार्ग तक पहुचना भी दुर्लभ था एवं वाहनो से आने जाने में भी दुर्घटना होने की संभावना रहती थी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चालू होने के बाद ग्रामवासियों ने ग्रामसभा में सड़क मार्ग निर्माण का आवेदन किया ग्रामसभा के अनुमोदन उपरान्त ग्राम पुराना बावल्या से शाहदादेव तक 1.3 कि. मी. डब्ल्यू बी. एम. रोड़ का निर्माण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अन्तर्गत किया गया जिससे बावल्याखुर्द के ग्रामवासियों को रोजगार तो मिला ही साथ ही मार्ग के मुख्यमार्ग से जुड़ जाने से वाहनो से मुख्य मार्ग तक पहुचना अत्यंत सुलभ हो गया हैं और समय की भी बहुत बचत होती हैं साथ ही उत्पादित वस्तुओ को विक्रय हेतु आसानी से बाजार तक ले जाया जाता है। जिससे ग्राम वासियों की जीवन स्तर में भी काफी सुधार आया है। वर्तमान में ग्रामवासी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का पूरा लाभ ले रहे है तथा अन्य लोगो को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से राह हुई आसान

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से इन्दौर जिले के ग्राम पिवड़ाय के ग्रामिणों को रोजगार तो मिला ही, साथ ही उनकी राह भी आसान हो गई। यह सम्भव हुआ इस योजना के तहत पिवड़ाय से मुण्डलादोस्तदार ग्रेवल सड़क निर्माण से।

जिला मुख्यालय इन्दौर से 25 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पिवड़ाय के ग्रामीणो को ग्राम से मुख्यमार्ग तक आने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यह परेशानी वर्षाकाल में उस समय और भी बढ़ जाती थी, जब किसी बीमार को ऊबड़–खबड़ एवं कीचड़भरे रास्ते से इलाज के लिए ले जाना होता था। ऐसे में ग्राम पिवड़ाय के ग्रामीणों के लिए रोजगार गारंटी योजना आशा की किरण बनी। ग्राम सभा की बैठक में पंचायत द्वारा सामुदायिक कार्यो में ग्रेवल सड़क निर्माण करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। योजना के तहत नौ लाख 97 हजार की लागत से उक्त सड़क का निर्माण किया गया।

इस कार्य में जहा जरूरतमंद लोगो को रोजगार उपलब्ध हुआ, वही ग्रामीणों की आने जाने की राह भी आसान हो गई है। इस मार्ग के बनने से आवागमन की बेहतर सुविधा तो मिल ही गई साथ ही इन गांवो के स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियो को भी स्कूल आना–जाना आसान हो गया हैं।